आत्म निर्भर भारत
गौ आधारित प्राकृतिक खेती

मा० प्रधानमंत्री जी द्वारा संबोधन का सजीव
प्रसारण / कृषक गोष्ठी
दिनांक 16 दिसम्बर, 2021
प्रसार निदेशालय

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अंतर्गत 13 कृषि विज्ञान केंद्रों व प्रसार निदेशालय द्वारा आनंद कृषि विश्वविद्यालय व गुजरात सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी पर **माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेद्र मोदी** के उद्बबोधन का सजीव प्रसारण/ कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें सभी जनपदों में गठित कृषक उत्पादक संगठनों से संबंधित सदस्य, प्रगतिशील किसानों, विभिन्न जनप्रतिनिधियों तथा कृषि विज्ञान केंद्रों के सभी कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग कर कार्यक्रम को देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम की सराहना करते हुए कृषकों ने **गौ आधारित प्राकृतिक खेती** को यथा संभव अपनाने का संकल्प लिया तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओ को कृषक हितैषी बताया ।

क्र0 सं0	कार्यक्रम स्थल	मुख्य अतिथि का नाम	प्रतिभागियों की संख्या	फोटो
1	प्रसार निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय कानपुर	डा० वेद रतन, अधिष्ठाता, गृह विज्ञान	198	
1.	कृषि विज्ञान केंद्र, थरियाव, फतेहपुर	राम गोपाल जी सदस्य जिला पंचायत , फतेहपुर	135	
2.	कृषि विज्ञान केंद्र, इटावा	श्री विनोद कुमार दोहरे, ब्लॉक प्रमुख, भरथना	153	
3.	कृषि विज्ञान केंद्र, हाथरस	विधायक, सिकंदरा राव श्री सुरेश प्रताप गांधी एवं श्री दिन दयाल, किसान मोर्चा अध्यक्ष	108	
4.	कृषि विज्ञान केंद्र, कन्नौज	--	186	

5.	कृषि विज्ञान केंद्र, अलीगढ़	ब्लॉक प्रमुख जवां श्री हरेंद्र प्रताप सिंह सुरेंद्र सिंह ग्राम प्रधान मलिकपुरा	222			
6.	कृषि विज्ञान केंद्र, दलीपनगर	डा० क्षमा द्विवेदी सहा० प्राध्यापक सी.एस.जे.एम.यू., कानपुर	156			
7.	कृषि विज्ञान केंद्र, कासगंज	--	67			
8.	कृषि विज्ञान केंद्र, हरदोई	--	166			
9.	कृषि विज्ञान केंद्र, मैनपुरी	श्री सूर्यपाल सिंह, नगला निरंजन	112			
10	कृषि विज्ञान केंद्र, लखिमपुरखीरी	--	152			
11	कृषि विज्ञान केंद्र, फिरोजाबाद	डा0 संजीव कुमार वर्मा डी0एच0ओ0 (फिरोजाबाद) श्री विवेक यादव कृभिको (फिरोजाबाद) श्री जे0एन0 शर्मा अध्यक्ष / प्रधानाचार्य ग्लोबल शिक्षण संस्थान आगरा	163			
12	कृषि विज्ञान केंद्र, फ़र्रुखाबाद	श्री आदित्य मिश्रा, भा0 कि0 युनीयन, फर्रूखाबाद। श्री अनिल पाण्डेय, अध्यक्ष किसान युनियन, फर्रूखाबाद।	164			
13.	कृषि विज्ञान केंद्र, रायबरेली	श्री मंशा राम प्रधान, ग्राम बेला टिकई	177			

प्रेस कवरेज

Sign in to edit and save changes to this file.

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

MID DAY E-PAPER

गुरुवार, 16-12-2021 अंक-432

www.worldkhabarexpress.media

www.worldkhabarexpress.com

'प्राकृतिक खेती से कृषि में होगा कायाकल्प'

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गोआधारित प्राकृतिक खेती पर आभासी भाषण विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, शिक्षकों, अधिकारियों तथा किसानों ने देखा और सुना। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने आह्वान किया कि देश के सभी किसान प्राकृतिक खेती से कृषि की लागत को कम करने के साथ ही भरपूर एवं गुणवत्ता युक्त उत्पादन कर अपनी आमदनी में वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से जहां एक ओर आमदनी में वृद्धि होती है, वहीं दूसरी ओर मृदा स्वास्थ्य में सुधार होता है। वर्तमान में हमारे देश की अधिकांश मृदाओं में पोषक तत्व तथा जैव कार्बन की कमी है। प्राकृतिक खेती को अपनाने से भूमि में कम हो रही पोषक तत्वों की मात्रा व जीवांश

कार्बन को बढ़ाया जा सकता है। प्राकृतिक खेती मृदा स्वास्थ्य के लिए लाभकारी ही नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण कृषि प्रणाली के लिए भी लाभदायक है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने प्राकृतिक खेती की सार्थकता को सिद्ध करते हुए यह विचार व्यक्त किए कि यह रसायन मुक्त कृषि और पशुधन आधारित है। कृषि परिस्थिति के मानकों पर आधारित यह एक विविध कृषि प्रणाली है जो फसलों, वृक्षों और पशुधन को एकीकृत करती है जिससे जैव विविधता के इष्टतम उपयोग को बढ़ावा देता है। प्राकृतिक खेती को पुनरयोजना कृषि का एक रूप भी माना जाता है। इसमें भूमि प्रथाओं का प्रबंधन एवं मिट्टी तथा पौधों में वातावरण से कार्बन को अवशोषित करने की क्षमता होती है। वास्तव में यह किसानों के लिए बहुत उपयोगी है। लागत प्रभावी कृषि पद्धति को प्राकृतिक खेती के जरिए स्थापित किया जा सकता है। यह बहुआयामी है, इसमें रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण, जल की कम खपत, मृदा स्वास्थ्य सुधार, पशुधन स्थिरता सुनिश्चित होती है। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय सहकारिता एवं गृहमंत्री अमित शाह, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भी विचार व्यक्त किए। प्रसार निदेशालय के समन्वयक डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री के सजीव प्रसारण को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, शिक्षकों व किसानों सहित 178 लोगों ने देखा और सुना। विश्वविद्यालय के अधीन संचालित सभी कृषि विज्ञान केंद्रों में भी इस सजीव प्रसारण को किसानों व महिला किसानों को दिखाया और सुनाया गया जिसमें करीब 1971 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

समन्वयक
प्रसार निदेशालय
चं0शे0आ0कृषि एवं प्रौ0वि0वि0, कानपुर